



पाठ-चौदह दीपावली

दीपावली, कार्तिक, अमावस्या, धन-धान्य, अधिष्ठात्री, सिद्धिदाता, राजाभिषेक, निर्वाण, सजावट।

- डानथोइ - दीदी लनलैमा !
- लनलैमा - अरे डानथोइ ! क्या है ?
- डानथोइ - क्या आज छुट्टी है दीदी ?
- लनलैमा - हाँ, आज दीपावली की छुट्टी है।
- डानथोइ - दीपावली क्या होती है दीदी ?
- लनलैमा - दीपावली लक्ष्मी पूजा का त्योहार है। यह त्योहार कार्तिक की अमावस्या को संध्या-समय दीप जलाकर मनाया जाता है ?
- डानथोइ - दीपावली के दिन लोग क्या करते हैं ?
- लनलैमा - दीपावली के दिन घरों की सफाई करते हैं। संध्या के समय दीप जलाकर प्रकाश किया जाता है।
- डानथोइ - दीदी, दीपावली के त्योहार में किसकी पूजा की जाती है।
- लनलैमा - इस त्योहार में धन-धान्य की अधिष्ठात्री लक्ष्मी और सिद्धिदाता गणेश की पूजा की जाती है।
- डानथोइ - यह त्योहार भारत में कहाँ-कहाँ मनाया जाता है ?
- लनलैमा - यह त्योहार भारत में सभी जगह मनाया जाता है।
- डानथोइ - दीदी, यह त्योहार कार्तिक अमावस्या के दिन ही क्यों मनाया जाता है ?
- लनलैमा - इसके अनेक कारण हैं।



- डानथोइ - दीदी , उन्हें भी जरा बताइए न।
- लनलैमा - रामभक्ति शाखा के लोगों का विश्वास है कि इस दिन श्रीराम का राजाभिषेक हुआ था।
- डानथोइ - और दीदी ?
- लनलैमा - इसी दिन राजा बलि को अपना खोया हुआ राज्य पुनः वापस मिला था।
- डानथोइ - कैसे ?
- लनलैमा - भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण करके राजा बलि का सारा राज्य ले लिया और उसे पाताल भेज दिया। किन्तु उसके पूर्वजन्म के सुकर्म्मों से प्रसन्न होकर भगवान ने कार्तिक की अमावस्या की रात को उसका राज्य फिर वापस दे दिया।
- डानथोइ - तो दीदी, क्या यह दिन केवल धन-दौलत को पाने की पूजा करने का दिन है ?
- लनलैमा - नहीं तो, इसके महत्व के और भी कारण हैं।
- डानथोइ - कौन-कौन से कारण हैं ?
- लनलैमा - जैन धर्म के अनुयायी इसे भगवान महावीर के निर्वाण का दिन मानते हैं। समाज सुधारक स्वामी दयानन्द जी और वेदान्त की जीती-जागती मूर्ति रामतीर्थ की मृत्यु भी इसी दिन हुई थी।
- डानथोइ - दीपावली के दिन लोगों को बड़ा आनन्द आता होगा ?
- लनलैमा - क्यों नहीं, दीपावली की रात को लोग दीपकों की सजावट देखने के लिए घरों से बाहर निकलते हैं। एक साथ बहुत सारे जलते दीप देखकर बच्चे खुशी से फूले नहीं समाते।
- डानथोइ - दीदी, मैं भी आज रात को दीपकों की सजावट देखने जाऊँगी।
- लनलैमा - हाँ, हम सब आज रात दीपकों की सजावट देखने चलेंगे।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :

कार्तिक	=	हिन्दू वर्ष का आठवीं महीना।
अमावस्या	=	महीने के कृष्ण पक्ष की पन्द्रहवीं तिथि।
धन-धान्य	=	रुपया, पैसा, अर्थ आदि।
अधिष्ठात्री	=	देखभाल करने वाली।
सिद्धिदाता	=	सफलता प्रदान करने वाला, गणेश।
राजाभिषेक	=	राज गद्दी पर बैठने की रीति तथा उत्सव।
सजावट	=	अलंकरण, शोभा, तैयारी।

2. उत्तर दीजिए :

- (क) दीपावली क्या होती है ?
- (ख) दीपावली कब मनाई जाती है ?
- (ग) दीपावली के दिन लोग क्या करते हैं ?
- (घ) दीपावली के त्योहार में किसकी पूजा की जाती है ?
- (ङ) दीपावली का त्योहार कार्तिक अमावस्या के दिन क्यों मनाया जाता है ?
- (च) भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर क्या किया ?
- (छ) कार्तिक अमावस्या के दिन किन-किन महान लोगों की मृत्यु हुई थी ?
- (ज) दीपावली की रात को लोग क्या करते हैं।
- (झ) अपने घर में मनाए जाने वाली दीपावली का वर्णन संक्षेप में लिखिए।
- (ञ) भारत के अलावा किन-किन देशों में दीपों का त्योहार होता है ? समझते हैं तो बताइए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

संध्या-समय -----

प्रकाश -----

धन-धान्य -----

विश्वास	-----
राजाभिषेक	-----
पूर्वजन्म	-----
निर्वाण	-----
सुधारक	-----
अनुयायी	-----
सजावट	-----

4. तालिका को ध्यान से देखिए, पढ़िए और यथासम्भव वाक्य बनाइए :

कार्तिक अमावस्या के दिन	दीपों का त्योहार होता है। लक्ष्मी देवी की पूजा होती है। श्रीराम का राजभिषेक हुआ था। हनुमानजी पैदा हुए थे। राजा बलि को अपना खोया राज्य पुनः वापस मिला। भगवान महावीर का निर्वाण हुआ। स्वामी दयानन्द की मृत्यु हुई। रामतीर्थ की मृत्यु भी हुई।
-------------------------	---

5. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (X) का निशान लगाइए :

- (क) दीपावली भारत में कुछ ही जगह मनाई जाती है। ☐
- (ख) दीपावली के त्योहार में घर-घर में लक्ष्मी की पूजा होती है। ☐
- (ग) दीपावली के त्योहार में सुबह से रात तक दीप जलाए जाते हैं। ☐
- (घ) दीपावली की रात को दीपों की सजावट होती है। ☐
- (ङ) लोग दीपावली के दीपों की सजावट को देखने घरों से बाहर निकलते हैं। ☐

6. पढ़िए और समझिए :

फूला नहीं समाना = बहुत खुश होना।
दीपावली के दीपों की सजावट को देखकर बच्चे फूले नहीं समाते।

7. पढ़िए, समझिए और याद रखिए :

सजाना	-	सजावट
रुकना	-	रुकावट
बनाना	-	बनावट
लिखना	-	लिखावट
दिखना	-	दिखावट
मिलना	-	मिलावट
गिरना	-	गिरावट
थकना	-	थकावट
खिलना	-	खिलावट